नए साल के जश्न के लिए घरेलू पर्यटन उद्योग में उत्साह

लोकल टूरिज्म में पचमढ़ी, खजुराहो और पेंच की सबसे ज्यादा बुकिंग

सच प्रतिनिधि ॥ इंदौर।

मध्यप्रदेश में भी न्यू ईयर सेलिब्रेशन की तैयारी शुरू हो गई है। क्रिसमस से शुरू होने वाले होली-डे सीजन के चलते घरेलू पर्यटन उद्योग में जबरदस्त उत्साह दिख रहा है। इंदौर के ट्रैवल एजेंट्स का कहना है कि 22 से 30 दिसंबर यानी साल के अंतिम दस दिन के लिए यात्री संख्या अधिक होने से हवाई किराए में अच्छी-खासी बढ़ोतरी हुई है। इंदौर- भोपाल से शारजाह, गोवा, जोधपुर और जयपुर के लिए हवाई किराए में पिछले साल की तुलना में 20 फीसदी की वृद्धि देखी जा रही है। ऐसे में लोगों को नए साल का जश्न मनाने के लिए जेबें ज्यादा ढीली करनी पड़ेंगी।

ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन एमपी और सीजी चैप्टर के अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादौन ने बताया कि एमपी के लोग क्रिसमस से न्यू ईयर तक के टाइम पीरियड में सेलिब्रेशन करते हैं। इस साल एमपी से डोमेस्टिक फ्लाइट्स में सबसे ज्यादा बुकिंग गोवा की है।

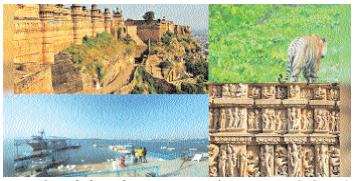

हनुवंतिया को लेकर भी लगातार इन्क्वायरी- ट्रैवल्स एजेंसियों के अनुसार, लोकल टूरिज्म में सबसे ज्यादा बुकिंग पचमढ़ी, खजुराहो और पेंच के लिए है। इसके बाद ओंकारेश्वर, महेश्वर, उज्जैन और मांडू हैं। 21प्रतिशत बुकिंग जयपुर और जोधपुर के लिए, नॉर्थ ईस्ट के लिए 19 प्रतिशत, गोवा 17 प्रतिशत, केरल 16 प्रतिशत अमृतसर 11प्रतिशतसाउथ 10 प्रतिशतऔर पचमढ़ी, महेश्वर, खजुराहो, अजंता-ऐलोरा के लिए 6 प्रतिशत यात्रियों ने बुकिंग कराई है। इन एजेंसियों का कहना है कि हनुवंतिया को लेकर भी लगातार इन्क्वायरी आ रही है लेकिन वहां इस साल अभी तक जल महोत्सव शुरू नहीं हुआ है। पिछले साल पचमढ़ी के बाद हनुवंतिया की ही सबसे ज्यादा बुकिंग थी।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में 29 दिसंबर से 2 जनवरी तक कोर जोन की बुकिंग 80 प्रतिशत तक फुल हो गई है। मंडई प्रमुख गेट है। यह प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है। टाइगर के अलावा तेंदुए, गौर, सांभर, चीतल, नीलगाय भी हैं। यह भोपाल से 140 किमी दूर है। इसी प्रकार पेंच नेशनल पार्क- जमतारा, करमाझिरी और तोहरिया कोर जोन में हैं। ये 29 दिसंबर से 2 जनवरी तक फुल हो चुका है। बफर और अदर जोन भी 90 प्रतिशत तक बुक हो चुका है। पार्क में जंगल बुक के किरदार बघीरा यानी ब्लैक पैंथर भी दिखाई देते हैं। 60 से अधिक बाघ यहां मौजूद हैं। मध्यप्रदेश के सिवनी, बालाघाट के साथ महाराष्ट्र के जिलों में भी पेंच का दायरा है। जबलपुर और नागपुर तक फ्लाइट से पहुंच सकते हैं।

कान्हा नेशनल पार्क

कान्हा, किसली, मुक्की और सरही कोर जोन हैं। यह भी 29 दिसंबर से 2 जनवरी तक के लिए फुल है। बफर समेत अन्य जोन में बुकिंग 80 प्रतिशत तक हो चुकी है। टाइगर के साथ यहां पर हार्ड ग्राउंड बारहसिंगा (दलदल का मृग) भी मिलते हैं। यह पार्क जबलपुर से 165 किमी दूर है। हवाई, रेल और सड़क तीनों के जरिए यहां पहुंचा जा सकता है।

बांधवगढ़ नेशनल पार्क

ताला, मगधी और हितौली कोर जोन हैं। यहां फुल व्हीकल घूमने के लिए सभी सीटें फुल हो गई हैं। एमपी में जंगली हाथी इसी पार्क में पाए जाते हैं। जबलपुर और खजुराहो में हवाई अड्डे हैं। उमरिया, कटनी, शहडोल और जबलपुर तक ट्रेन, बस या निजी वाहन से पहुंच सकते हैं। उमरिया से यह 26 किमी दूर है।

संजय डुबरी नेशनल पार्क- कोर जोन डुबरी में 29 दिसंबर से 2 जनवरी तक के लिए सीटें खाली हैं। इसके कोर और बफर जोन के लिए अभी तक 30 से 40 फीसदी बुकिंग हुई है। यह पार्क सीधी से यह 100 किमी दूर है, जहां विमान, ट्रेन या सड़क मार्ग से पहुंच सकते हैं।

बाघ के अलावा भालू भी बड़ी संख्या में हैं।

पन्ना नेशनल पार्क- अजयगढ़ा, हिनौता और मंडला कोर जोन के लिए 29 दिसंबर से 31 दिसंबर के लिए सीटें फुल हो गई हैं। हालांकि, 1 जनवरी से 2 जनवरी के लिए कोर जोन में 4 से 5 सीटें अभी खाली हैं। यहां करीब 70 बाघ हैं। 750 गिद्ध भी हैं। कुल 9 में से 7 प्रजाति के गिद्ध यहीं पाए जाते हैं।

निगम अफसरों की लापरवाही

प्रदेश के पहले बायो सीएनजी प्लांट में 50 प्रतिशत ही बन रही गैस

सच प्रतिनिधि ॥ग्वालियर।

शहर के लाल टिपारा स्थित प्रदेश के पहले गोबर आधारित बायो सीएनजी प्लांट में 73 दिन बाद भी क्षमता से सिर्फ 50त्न ही उत्पादन हो रहा है। उसे भी निगम अफसरों की लापरवाही के कारण जलाकर नष्ट करना पड़ रहा है। इसका कारण यह है कि अभी तक न तो प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से एनओसी मिली है और न ही पेट्रोलियम एक्सप्लोसिव सिक्योरिटी ऑर्गनाइजेशन से लाइसेंस मिल पाया है। जिससे वाहनों में प्लांट से गैस नहीं भर पा रही है।

इस प्लांट का 2 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली उद्घाटन किया था। तब दावा किया गया कि प्लांट प्रतिदिन 2 से 2.5 टन गैस का उत्पादन करेगा, लेकिन सिर्फ 40-50त्न उत्पादन हो रहा है। इसकी वजह डेयरियों से गोबर और सब्जी-फल मंडियों का कचरा प्लांट तक न पहुंचा पाना है। पहला प्लांट सफल नहीं हो पाया उधर निगम अफसरों ने 984.59 करोड़ की लागत से नए कंप्रेस्ड बायो गैस प्लांट का प्लान बना लिया है।

गोबर और कचरे का प्रबंधन फेल

शहर में 2300 से ज्यादा भैंस डेयरियां और 10 सब्जी-फल मंडियां हैं। नगर निगम के मुताबिक, डेयरियों से रोजाना 30-35 टन गोबर और मंडियों से 20 टन गीला कचरा मिल सकता है। लेकिन 17 ट्रैक्टर-ट्रालियां होने के बावजूद निगम औसतन केवल 1.5 टन गोबर प्लांट तक पहुंचा पा रहा है। सब्जी-फल मंडियों से निकलने वाला कचरा लैंडफिल साइट पर फेंका जा रहा है, जिससे बदबू फैल रही है। डेयरी संचालक गोबर नालों और सीवर लाइनों में बहा रहे हैं, जिससे सीवर जाम की समस्याएं बढ़ रही हैं।

इनका कहना है

शहर दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। ऐसे में भविष्य में कचरा ज्यादा निकलेगा। उसे ध्यान में रखकर नया कंप्रेस्ड बायो गैस विथ सेलिंड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट बनाने की योजना है। इसकी डीपीआर मुख्यालय भोपाल पहुंचा दी है। अभी गोबर और सब्जी के कचरे से संचालित बायो सीएनजी प्लांट के लिए 21 नए टिपर खरीदे जा रहे हैं। उनके माध्यम से मंडियों से कचरा लेंगे। गोबर उठाने के लिए वाहन संचालित हैं। वर्तमान में बायो गैस बनना शुरू हो चुकी है। बायो गैस के उपयोग के लिए पेशो से प्रमाण-पत्र मांगा है। इसके बाद उसका होगा।

-अमन वैष्णव, आयुक्त नगर निगम ग्वालियर

आधुनिक सुविधाओं से लैस सुरक्षित होगा सफर

पटरियों पर धमाल मचाने आ रही वंदे भारत स्लीपर

सच प्रतिनिधि ॥ भोपाल।

ट्रायल में होगी जरूरी मापदंडों की जांच

भारत की सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस तो अपना कमाल दिखा रही है, अब बहु प्रतीक्षित स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस को लेकर भी बड़ा अपडेट रेलवे ने दिया है। बताया जा रहा है कि आने वाले एक या दो दिनों में ही स्लीपर वंदे भारत ट्रेन के प्रोटोटाइप का ट्रायल रन होने जा रहा है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का लोग बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जो अब बस खत्म होने को है। रेलवे की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री चेन्नई में तैयार हो चुका स्लीपर वंदे भारत का प्रोटोटाइप फैक्ट्री से फील्ड ट्रायल के लिए रवाना जो चुका है। जल्द ही ट्रायल बेस पर पहुंचेगा। आईसीएफ और बीईएमएल के सहयोग से तैयार स्लीपर वंदे भारत प्रोटोटाइप को पिछले 8 हफ्तों से क्रालिटी स्टैंडर्ड की जांच प्रक्रिया जारी थी। अब इसे आरडीएसओ के फील्ड ट्रायल की मंजूरी मिलने के बाद फैक्ट्री से रवाना कर दिया गया है। जिसकी जानकारी खुद रेल मंत्री ने सोशल मीडिया पर दी थी।

नई स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस का फील्ड ट्रायल मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच होगा। जिसके बारे में जानकारी देते हुए रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि भारतीय रेलवे बोर्ड द्वारा किसी भी ट्रेन को शुरू करने से पहले उसका एक ट्रायल किया जाता है। जब इस ट्रायल में ट्रेन सभी टेक्निकल मापदंडों पर खरी उतरती है। उसके बाद ही उसे पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए शुरू किए जाने की मंजूरी मिलती है। इसी प्रक्रिया के तहत स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस का भी फील्ड ट्रायल होने जा रहा है।रेलवे पीआरओ मनोज कुमार के मुताबिक स्लीपर वंदे भारत की रेक चेन्नई से रवाना हो चुकी है। इसका फील्ड ट्रायल आरडीएसओ की टेक्निकल टीम द्वारा किया जाएगा। यह ट्रायल झांसी रेल मंडल के अंतर्गत मध्य प्रदेश के खजुराहो और उत्तर प्रदेश के महोबा रेल सेक्शन के बीच होगा।

गौरतलब है कि हाल ही में रेल मंत्री ने राज्य सभा में बताया था कि स्लीपर वंदे भारत ट्रेन को मध्यम और लंबे रूट्स पर सफर के लिए तैयार किया गया है। स्लीपर वंदेभारत की अधिकतम स्पीड 160 तक होने का दावा किया जा रहा है। साथ ही इसे कई बेहतरीन और आधुनिक सुविधाओं और फीचर्स से लोड किया गया है। सुरक्षा के लिए इसमें कवच सुरक्षा प्रणाली इनस्टॉल की गई है। सभी कोचेस में सिक्योरिटी कैमरे होंगे।साथ ही इसे ईएन 45545 एचएल 3 फायर सेफ्टी प्रोटोकॉल के अनुरूप डिजाइन किया गया है। वहीं यात्रियों की सुविधा के लिए झटका रहित सफर उपलब्ध कराने सेमी परमानेंट कपलर लगाए गए हैं इंटीरियर भी खास तरह से सुविधाजनक डिजाइन किया गया है। साथ ही इस ट्रेन में ऑटोमैटिक दरवाजे होंगे।

अब हर तरफ हो रही सराहना

आम बच्चों के साथ अब आंगनबाड़ी में पढ़ेगा महिला एसडीएम का बेटा

मैहर । मैहर जिले के इस महिला एसडीएम की अब हर तरफ तारीफ हो रही है और उसका कारण है अब आम बच्चों के साथ आंगनबाड़ी में ही एसडीएम का बेटा पढ़ाई करता दिखेगा। इस पहल की सराहना अब चारों ओर हो रही है। एसडीएम का कहना है कि सरकारी स्कूलों के शिक्षा और आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यस्थाओं में में सुधार हो सके, इसलिए इस पहल को किया है।आज के परिवेश में जहां परिजन बच्चों को हाई फाई प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाने की सोच रखते हैं, वहीं मैहर जिले की रामनगर एसडीएम डॉ आरती सिंह की अनोखी पहल देखने को मिली है। एसडीएम ने अपने बेटे जैथवैक पटेल का दाखिला आंगनबाड़ी केंद्र में कराया। डॉ. आरती सिंह गुरुवार को रामनगर के इटमा कला आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण करने निकली थी।निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से बातचीत के बाद अपने बेटे का नाम भी रजिस्टर में दर्ज करने को कहा। उनके इस फैसले के बाद हैरान रह गए, उन्होंने बताया कि ये कदम सरकारी शिक्षा और आंगनबाड़ियों में सुधार को बढ़ावा देने के लिए उठाया है।

फर्जीवाड़े से नौकरी हथियाने वालों पर लटकी कार्रवाई की तलवार

सच प्रतिनिधि ॥ भोपाल।

सरकारी नौकरी पाने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते... कई दिन रात पसीना बहाते हैं, लेकिन कई ऐसे भी हैं, जिन्होंने शॉर्टकट में सरकारी नौकरी पाने की कोशिश की। इन्हें सरकारी नौकरी मिल तो गई, लेकिन अब कार्रवाई की तलवार लटक रही है। आरक्षण का लाभ लेने के लिए फर्जीवाड़ा करने वाले 24 अधिकारी-कर्मचारियों की नौकरी जाना लगभग तय हो गया है। वहीं 232 पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है। विधानसभा में यह जानकारी विधायक द्वारा पूछे गए सवाल के लिखित जवाब के रूप में यह जानकारी सरकार ने दी है।

मध्य प्रदेश में फर्जी जाति प्रमाण पत्र और फर्जी दिव्यांगता सर्टिफिकेट से नौकरी पाने के मामले लगातार सामने आते रहे हैं। इस मामले में अब सामने आया है कि प्रदेश में 232 कर्मचारी अधिकारियों के जाति प्रमाण पर की जांच की जा रही है। इन 232 कर्मचारी-अधिकारियों के खिलाफ अलग-अलग लोगों द्वारा शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने इसकी लिखित जानकारी विधानसभा में दी है। विधायक डॉ राजेन्द्र कुमार सिंह ने इसको लेकर सवाल पूछा था कि फर्जी जाति प्रमाण-पत्रों की जांच के संबंध में साल 2015 से आज तक किसने किसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन शिकायतों की जांच में क्या कार्रवाई की गई। जवाब में सरकार ने बताया कि प्रदेश में 232 कर्मचारी अधिकारियों के खिलाफ अलग-अलग लोगों द्वारा शिकायतें की गई हैं, जिनके खिलाफ जांच की जा रही है। हालांकि अधिकांश के खिलाफ अभी तक जांच ही चल रही है।

24 की नौकरी जाना तय

उधर विधायक डॉ. राजेन्द्र कुमार सिंह द्वारा पूछे गए एक अन्य सवाल के जवाब में सरकार ने बताया कि 2020 के बाद पिछले चार साल में 24 अधिकारी कर्मचारियों के जाति प्रमाण पत्र को निरस्त किया जा चुका है। इसी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर इन कर्मचारी-अधिकारियों ने सरकारी नौकरी प्राप्त की थी। जाति प्रमाण पत्र निरस्त होने के बाद इनकी नौकरी जाना तय मानी जा रही है।कांग्रेस विधायक ने सवाल पूछा था कि 1 अप्रैल 2020 से अभी तक किस विभाग के कर्मचारी अधिकारी के खिलाफ जाति प्रमाण पत्र की जांच लंबित है और किसकी जांच पूर्ण की गई है।

भगवान महाकाल का राजा स्वरूप में दिव्य श्रृंगार

सच प्रतिनिधि ॥ उज्जैन।

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार तड़के चार बजे मंदिर के कपाट खोलने के पश्चात भगवान महाकाल को गर्म जल से स्नान कराया गया। इसके बाद पण्डे-पुजारियों ने दूध, दही, घी, शहद, फलों के रस से बने पंचामृत से बाबा महाकाल का अभिषेक पूजन किया। भगवान महाकाल को मखाने की माला चन्दन का तिलक बिल्वपत्र और रजत मुकुट अर्पित कर राजा स्वरूप दिव्य श्रृंगार किया गया।

भस्म आरती के दौरान महाकाल का भांग,चन्दन,सिंदूर और आभूषणों अर्पित किये गए। भस्म अर्पित कर कपूर आरती की गई। भगवान को नैवद्य अर्पित किया गया। मस्तक पर चन्दन का तिलक और सिर पर शेषनाग का रजत मुकुट धारण कर रजत की मुंडमाला और रजत जड़ी रुद्राक्ष की माला के साथ साथ सुगन्धित पुष्प से बनी फूलों की माला अर्पित की गयी। फल और मिष्ठान का भोग लगाया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित करने के पश्चात बाबा महाकाल की भस्म आरती सम्पन्न हुई।

बुंदेलखंड के दिग्गजों में कोल्ड वार

सच प्रतिनिधि ॥ सागर।

पार्टी विद द डिफरेंस और अनुशासन के नारे के साथ अपने संगठन को भाजपा देश और दुनिया का सबसे बड़ा और काबिल संगठन बताती है। लेकिन जब मध्यप्रदेश में तीन चौथाई बहुमत वाली भाजपा की सरकार राज कर रही है, तब सत्ताधारी दल की आपसी लड़ाई रोजाना सड़क और सदन पर नजर आ रही है। हालांकि ये लड़ाई बुंदेलखंड से शुरू हुई है और इसकी वजह असली भाजपा और बीजेपी में बाहर से आए लोग माने जा रहे हैं। दरअसल बुंदेलखंड में एक समय ऐसा था कि तीन-तीन कैबिनेट मंत्री हुआ करते थे। लेकिन आज सिर्फ एक कैबिनेट मंत्री है और वो भी सिंधिया के साथ कांग्रेस से बीजेपी में आए हैं। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा के दिग्गज नेता भूपेन्द्र सिंह और गोपाल भार्गव जैसे नेता भारी भरकम वोटों से जीतने के बाद भी मंत्री नहीं बन सके हैं। यहां तक तो ठीक था, लेकिन मंत्री भूपेन्द्र सिंह इलाके में हस्तक्षेप, उनके समर्थकों को परेशान किए जाने जैसी घटनाओं को लेकर खुलकर सामने आ गए हैं। मामला इतना ज्यादा बढ़ गया है कि भूपेन्द्र सिंह खुलकर सरकार और संगठन को चुनौती देते नजर आ रहे हैं।

विधानसभा सत्र में भूपेन्द्र सिंह के आक्रमक तेवर

मध्यप्रदेश विधानसभा के मौजूदा शीतकालीन सत्र की बात करें, तो दो सत्र पूर्व गृह मंत्री और खुर्राट विधायक भूपेन्द्र सिंह के बगावती तेवर के लिए जाना जाएगा। उन्होंने विधानसभा में ऐसे ऐसे मुद्दे उठाए कि भाजपा की मोहन यादव सरकार को घेरने के लिए विपक्ष की जरूरत ही नहीं पड़ी। इन मुद्दों में भूपेन्द्र सिंह के विधानसभा क्षेत्र खुर्राई के मालवीन से गुजरने वाले नेशनल हाइवे 44 पर टोल टैक्स की गुंडई द्वारा वसूली का मामला उठाया। तो मध्यप्रदेश के स्कूलों में बच्चों के यौन शोषण का मामला उठाया।

भूपेंद्र सिंह को स्वीकार नहीं दो भाजपा नेता

वहीं, भोपाल में भूपेन्द्र सिंह ने कुछ मीडिया चैनल में इंटरव्यू देकर सीधे तौर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा को आड़े हाथों लिया। तो बिना नाम लिए ये भी कह दिया कि वो भाजपा में वो नेताओं को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। बुंदेलखंड की राजनीति को समझने वाले जानकार अच्छी तरह से जानते हैं कि उनके निशाने पर बुंदेलखंड के इकलौते कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और उनके विधानसभा क्षेत्र के नेता अरूणोदय चौबे हैं। जो गोविंद सिंह के जरिए भाजपा में शामिल हो चुके हैं। दूसरी तरफ सरकार की तरफ से भी ऐसा नजर नहीं आ रहा है कि भूपेन्द्र सिंह की नाराजगी कम करने के लिए कोई प्रयास किए जा रहे हों।

एक-एक के पास जाकर बांटे कंबल आधी रात में गरीबों के मसीहा बने कलेक्टर

बड़वानी: जिले के कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे देर रात जरूरतमंदों को कंबल बांटते नजर आ रहे हैं। दरअसल, ये वीडियो सोमवार का बताया जा रहा है जब कलेक्टर ने शहर के कई इलाकों का निरीक्षण किया और ठंड की मार झेल रहे लोगों का हाल जाना। इस दौरान उन्होंने नगर निकाय द्वारा जलाई गई अलाव की व्यवस्था का भी जायजा लिया। निरीक्षण करते हुए उन्हें काफी लोग खुले में रात गुजारते दिखाई दिए, जिसके बाद कलेक्टर ने सभी जरूरतमंदों को कंबल ओढ़ाए और बाहर सो रहे लोगों को रेन बसेरा में पहुंचाने की व्यवस्था की।कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने अस्थाताल परिसर, रंजीत क्लब और बस स्टैंड समेत कई जगहों का निरीक्षण किया। उन्हें कई जगहों पर अलाव के पास लोग खड़े हुए दिखाई दिए। इस दौरान लोगों से चर्चा कर उनका हाल जाना और जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने नगरपालिका सीएमओ को निर्देशित किया कि जहां भी जरूरत है, वहां अलाव जलाने की व्यवस्था की जाए। इस काम में कुछ कमियों की इत्पूटी लगाई जाए जिससे अलाव नियमित रूप से जलती रहे। उन्होंने नगरपालिका सीएमओ को निर्देशित किया कि वे रेन बसेरा के फ्लेक्स चौराहों और बस स्टैंड पर लगाएं, जिससे खुले में सोने वाले लोग रेन बसेरा में आकर निःशुल्क रात्रि विश्राम कर सकें।

खाद की कालाबाजारी करने वालों का एसडीएम ने कराया स्टिंग ऑपरेशन

सच प्रतिनिधि ॥ रतलाम।

रबी सीजन में यूरिया के लिए मारामारी मची हुई है, किसान खाद वितरण केंद्रों के बाहर लाइन लगाकर खाली हाथ लौट रहे हैं। वहीं, कालाबाजारी करने वाले व्यापारी महंगे दामों पर किसानों को यूरिया बेच रहे हैं। रतलाम के जावरा में शिकायत मिलने पर एसडीएम त्रिलोचन सिंह गौड़ ने कर्मचारियों से स्टिंग ऑपरेशन करवाकर खाद की कालाबाजारी का मामला पकड़ा। ये दुकानदार 266 रुपए मूल्य का यूरिया का बैग किसानों को 366 रुपए में बेच रहा था।स्टिंग ऑपरेशन में कैमरे के सामने ही दुकानदार कालाबाजारी करते हुए पकड़ा गया है। जावरा एसडीम के निर्देश पर आरोपी व्यापारी की दुकान को सील कर खाद वितरण का लाइसेंस निरस्त किए जाने की कार्रवाई की गई है। दरअसल, रबी के सीजन में यूरिया खाद की कमी के चलते किसानों को महंगे दामों पर बाजार से यूरिया खरीदना पड़ रहा है। कालाबाजारी करने वाले व्यापारी खाद को मनमाने दामों पर बेच रहे हैं। लगातार यूरिया

खाद की कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर एसडीएम त्रिलोचन सिंह गौड़ ने सख्ती दिखाई।स्टिंग ऑपरेशन के वीडियो के अनुसार बोरदा गांव के किसान राधेश्याम ने जावरा के खाखरोद नाका क्षेत्र स्थित दुकान से यूरिया खाद का एक बैग खरीदा। इसकी कीमत उनसे 366 रुपए वसूली गई।

खाद विक्रेता दुकानदार रितेश पंवार भी इस वीडियो में दिखाई दे रहा है। स्टिंग में खाद की कालाबाजारी से सिद्ध होने पर पंचनामा बनाकर दुकान को सील किया गया है। जावरा एसडीम त्रिलोचन सिंह गौड़ ने बताया लगातार शिकायतें मिल रही थी कि निजी दुकानदार महंगे दामों पर यूरिया खाद बेच रहे हैं। इसकी पुष्टि करने के लिए राजस्व विभाग की टीम को स्टिंग करने के लिए भेजा गया।वहीं, कृषि विभाग को उप संचालक नीलम सिंह का कहना है जिले में सहकारी सोसाइटियों में पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद उपलब्ध है। जिन किसानों को गेहूं अथवा अन्य फसलों के लिए यदि यूरिया खाद की आवश्यकता है तो वह सामान्य यूरिया खाद की जगह नैनो लिक्विड यूरिया का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। यह विकल्प किसानों के लिए सस्ता होने के साथ फायदेमंद भी है।